

प्रेस विज्ञप्ति

शिलान्यास समारोह - 01/07/2018

01 जुलाई 2018 को श्री के.के. शर्मा, महानिदेशक सीमा सुरक्षा बल द्वारा सीमा सुरक्षा बल मुख्यालय (उत्तरी कमान) के प्रशासनिक भवन का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर सीमा सुरक्षा बल के पश्चिमी कमान के पाँचो सीमान्त मुख्यालयों के महानिरीक्षक जिनके ऊपर भारत - पाकिस्तान सीमा की सुरक्षा की जिम्मेवारी है, पाँचो मुख्य प्रशिक्षण केंद्रों के महानिरीक्षक और पश्चिमी कमान के सभी अधिकारी मौजूद थे।

सीमा सुरक्षा बल का पश्चिमी कमान, विशेष / अपर महानिदेशक के नेतृत्व में कार्य करता है जिसके अंतर्गत कश्मीर, जम्मू, पंजाब, राजस्थान एवं गुजरात पाँच सीमान्त मुख्यालय करीब 2800 किलोमीटर में फैले सीमा को सुरक्षा प्रदान करते हैं।

भारत -पाकिस्तान सीमा सदैव ही इलाके एवं मौसम के लिहाज़ से सभी सुरक्षा संस्थाओं के लिए अत्यंत ही चुनौतियों से भरा रहा है। दुर्गम भौगोलिक दशाएं एवं विषम जलवायु की परिस्थितियाँ, जहाँ तापमान कश्मीर में -20 डिग्री तो राजस्थान एवं गुजरात के कच्छ में + 50 डिग्री तक पहुँच जाता है, सीमा सुरक्षा बल ने पिछले पाँच दशकों से अत्यंत सजगता एवं सुदृढ़ निगरानी तंत्रों की सहायता से सीमाओं को प्रभावकारी ढंग से सुरक्षा प्रदान किया है।

पश्चिमी कमान की ऑपरेशनल चुनौतियाँ अत्यंत विविध हैं। एक तरफ जम्मू, कश्मीर एवं पंजाब में अत्यंत प्रेरित आतंकवादियों का घुसपैठ तो दूसरी तरफ पंजाब एवं राजस्थान में मादक पदार्थों की तस्करी या गुजरात के क्रीक के इलाके में पाकिस्तानी मछुवारों का अवैध घुसपैठ हो, सीमा सुरक्षा बल ने हमेशा ही बहादुरी से चुनौतियों का सामना किया है एवं सराहनीय परिणाम हासिल किया है। यह अत्यंत ही संतुष्टि का विषय है कि पिछले कुछ महीनों में चेनाब के दक्षिण से घुसपैठ की एक भी घटना नहीं घटी है। इसी प्रकार पंजाब फ्रंटियर ने सीमा पार मादक पदार्थों के तस्करी तंत्र को तोड़ा है। गुजरात में

सीमा सुरक्षा बल ने मॉनसून के चरम में भी क्रीक के इलाके को पूरी तरह से निगरानी में रखने में सक्षम हुआ है ।

सीमा पार से भारत विरोधी ताकतों के रणनीतियों एवं चुनौतियों में लगातार बदलाव आ रहा है। सीमा सुरक्षा बल भी उसी अनुपात में अपने प्रयासों में लगातार बदलाव ला रहा है । सीमा सुरक्षा बल ने अपने महानिदेशक श्री के.के. शर्मा के मार्गदर्शन में अत्याधुनिक तकनीकों को समावेशित कर बॉर्डर के निगरानी एवं वर्चस्व के दिशा में नई ऊंचाई को हासिल किया है । जो अभी प्रायोगिक परियोजना के तौर पर आरम्भ हुआ है जल्द ही हमारे जीने का तरीका बन जायेगा एवं निकट भविष्य में सीमा सुरक्षा बल सही मायने में एक आधुनिक सीमा सुरक्षा बल कहलाएगी.

सीमा सुरक्षा बल ने सदैव ही प्रशिक्षण पर ज़ोर दिया है क्योंकि यही एक तरीका है जिससे एक सामान्य नागरिक पेशेवर एवं अनुशासित बॉर्डरमैन में तब्दील होता है । इस जिम्मेवारी को पश्चिमी कमान की पांचो प्रशिक्षण केंद्रों ने जिम्मेदारी से निभाया है. इन पाँचो प्रशिक्षण केंद्रों के प्रमुख महानिरीक्षक रैंक के अधिकारी हैं. इन सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस ने ना सिर्फ़ अपने प्रशिक्षु सैनिकों को प्रशिक्षित किया है बल्कि विभिन्न राज्यों के पुलिस में भी इनकी प्रशिक्षण कि पुरजोर मांग है ।

हालाँकि, पश्चिमी कमान को 2006 में ही अलग प्रशासनिक इकाई के तौर पर खड़ा किया गया था लेकिन इसके लिए ज़रूरी ज़मीन एवं भवनों के लिए सभी ज़रूरी अनुमति एवं निर्देश 2018 में प्राप्त हुए । सीमा सुरक्षा बल मुख्यालय के सक्रिय सहयोग एवं महानिदेशक महोदय के मार्गदर्शन में इस काम्प्लेक्स का अगले तीन वर्षों में तैयार हो जाने का अनुमान है ।

पश्चिमी कमान माननीय महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल श्री के.के. शर्मा का अत्यंत आभारी है कि उन्होंने अपने अत्यंत व्यस्तताओं के बावजूद पश्चिमी कमान के प्रशासनिक भवन के शिलान्यास समारोह के लिए समय निकाला ।